100	
	प्रदेश - अव्यास 🛶
	गीपियीं हाटा उहव की काश्यवान कहने में क्या टार्व्य
1.	नि हित है।
	शीपिया उद्भ भी भारयपात इसलिए कहती है बसी कि
20	वे औ कुटल के अत्मंत निकट रहकर की उनके प्रेम से
	न क्रा कृष्ण का अस्मा असार रहिन सा उनक प्रमास
	संचाक्ति नरी है। और एक वे (भीषमा) है कि दूर
	रस्कट भी औ कुल्ला के प्रेस से विद्वत है गी पिसी
Ter Carr	हाटो उद्व की पूल स्टक्ट भी प्रेम न कर सकते
	पट व्यंग्य निहित हैं।
	कुटण के प्रति अपने अनन्म प्रेम की शीषिभी में
2.	विस्त पकाट अधिरध्यक्त किमा है।
30	शी विभी है अपने अनन्य प्रेम की मिन्ति शिक्त
=	पकार नै ध्यक्त किया है।
	तिविद्या करूता के पैस में इस प्रकाट लिए हैं
1+	292 00 110 से जिएक आही है।
	श्री कुरुण भी पिसी के लिए हारिल की सकड़ी के
2.	सामान है।
	उन्हों ने कुल्ला की सन क्रेस वचन से अपना
3.	
	वे सीते - आरोते , टात - दिन फूछ्ण का ही आप
ч.	आपती रहती है।
Legitle.	
	शीविभी में कित- कित उदाहरणीं के साहध्यम ही
3.	

1

ा. उड़व हम बड़ कारी ही जो कृष्ण के प्रेम के बंधा भी नहीं बंधी ही। 2. गीपिभी ने उड़व की कमल पत्र के सामाल बताया। जी जल में रहकर भी जल का स्पर्ध नहीं करता? 3. उन्होंने उड़व की बेल की गागार अधित चिक्ता			14/2
उद्धव को उलाहने दिए हैं? उत्धिक ने देव को कामल पत्र के सामाल बातागा जो जाल में रहकार भी जल का स्पर्ध कही कहना? उल्होंने उद्धव को उलाहान दिया। उल्होंने उद्धव को उलाहान दिया। उत्होंने उद्धव को जी कुछण की प्रेम - करी में पाँव उद्धव को जी कुछण की प्रेम - करी में पाँव उद्धव को जा उलाहान दिया। प. गीपियों ने उद्धव को जी कुछण की प्रेम - करी में पाँव उद्धव को परास्त कर दिया, उनके वाक चाकु चाहुर्य की विशेषताएं जिलाह हैं। उल्होंने के अपने वाक चाजुर्य की जिस्माल हिंग कर रही हैं। उत्पत्त कर दिया, उनके वाक प्रस्तुत कर रही हैं। उत्पत्त कर विशेषता की उपहरण देकर प्रस्तुत कर रही हैं। उत्पत्त के अपनी बालों को उपहरण देकर प्रस्तुत कर रही हैं। उत्पत्त के अपनी बालों में उलके हर्य की सरज्जा और हुएण के प्रति असल्य झलकता है। उल्हों तक झका ह्या कहन ही सक्कि हैं। उत्पत्त कहती हैं।		Date_	
उठ की अलाहने दिस् हैं? उठव की उलाहने दिस् हैं उठव की उलाहने दिस् पत्र के सामाल बाताया। तो निर्म ने उठव की वेल की गाउगार अर्थात चिकना उठ कहीने उठव की वेल की गाउगार अर्थात चिकना उठ कहीने उठव की वेल की गाउगार अर्थात चिकना उठ की पियों ने उठव की बी कुर्यण की प्रेम - अर्थी में पांव इक् प्राणियों ने उठव की बी कुर्यण की प्रेम - अर्थी में पांव इक् वो पटास्त कर दिया, उनके वाक् चाहुर्य की विशेषताई लिखाइ? उठ की पियों के वानों में उग्रटा त्यांय दिया हैं। उनकी बात जीक - त्यावहारी पर आधारित हैं। उनकी बात जीक - त्यावहारी पर आधारित हैं। उनकी बात जीक न त्यावहारी पर आधारित हैं। उनकी बात अर्था अर्थण के परिपत्त हैं। उनकी विश्वार अर्थण वेल स्वार सन वापस वा लेने की विश्वार का कारावहारी हैं। उठ की पियों को कारावार क्या बह्त ही सर्याक हैं। उठ की पियों को कारावार के लिया का कारावार की की की की कारावार की कारावार की कारावार की कारावार की की कारावार की कारावार की कारावार की की की कारावार की कारावार की कारावार की की की की कारावार की कारावार की कारावार की की की कारावार की की की कारावार की कारावार की की की कारावार की की की कारावार की की कारावार की की की की कारावार की			
2. उद्भव एस वह सामी ही ली कुरण के प्रेम के कांत है नहीं वंधे ही। 2. गीपियों ने उद्भव की कमल पत्र के सामान बनाया जी जल में रहकार भी जल का स्पर्श नहीं करना? 3. उन्होंने उद्भव की हैन की गाजार अधित धिकना है। 4. गीपियों ने उद्भव की हैन की गाजार अधित धिकना है। 4. गीपियों ने उद्भव की बाक् याहुर्य के आधार पर गानी उद्भव की परास्त कर दिया, उनके वाक् याहुर्य की विशेषतार है। 4. गीपियों के अपने वाक् याहुर्य के आधार पर गानी उद्भव की परास्त कर दिया, उनके वाक् याहुर्य की विशेषतार है। 5. गीपियों के वानों से गहरा त्यवंथ दिया है। 3. उनकी बात जीन - त्यवहारी पर आधारित है। 4. गीपियों की बानों में उनहरा देकर प्रस्तुत कर रही है। 3. उनकी बात जीन - त्यवहारी पर आधारित है। 4. गीपियों की बानों में उनके हत्या की सरवना और उनके तक सका हम सनका है। 5. गीपियों की बानों में उनके तम करता है। 5. गीपियों को कुरण में छैसे कीन - से परिवर्तन हिखाई विश जिलके वारण में छैसे कीन - से परिवर्तन हिखाई विश जिलके वारण वे अपना मन वापस पा जैने की वात करती है। 30. गीपियों की कारण में छैसे कीन - से परिवर्तन हिखाई विश जिलके वारण वे अपना मन वापस पा जैने की वात करती है। 30. गीपियों की करणा में छैसे कीन - से परिवर्तन हिखाई वात करती है। 30. गीपियों की करणा में छैसे कीन - से परिवर्तन हिखाई वात करती है।	28	नेत का उलाहम दिस है।	
1. उड़व एस वड़ झामी ही ली कुरण के प्रेम के कांग में लोही वंधे हो। 2. गीपियों ले उहुव की कमल पत्र के सामाल बताया जी जल में रहकाह भी जल का स्पर्श कही करता? 3. उन्होंने उहुव को हेल की गाउगार अर्थात धिकला है। 4. गीपियों ले उहुव को ही कुरण की प्रेम - क्यी में यांव कु कि न इकाले का उलाहाला हिया है। 4. गीपियों ले अपने वाक् चाहुर्य के आधार पर वाली उहुव को परास्त कर दिया, उनके वाक् चाहुर्य की विशेषतारं लिखिए? 30. गीपियों के वाक वातुर्य की लम्लाल खित विशेषतारं ही खिएए? 3. उनकी बात जीव - त्यवहारी पर आधारित है। 4. गीपियों की बातों में अहरा त्यवंथ हिया है। 3. उनकी बात जीव - त्यवहारी पर आधारित है। 4. गीपियों की बातों में उनके हत्या की सरवता और करने तक स्तार्य मलकता है। 5. गीपियों को बातों में उनके हत्या की सरवता और करने तक स्तार्य प्रमान मलकता है। 5. गीपियों को कारण में स्रेस कील - से परिवर्तन हिखाई विश्व जिल्को बारण में स्रेस कील - से परिवर्तन हिखाई विश्व जिल्को बारण वे अपना मल वापस पा लेने की वात करती है। 30. गीपियों को कारण में स्रेस कील - से परिवर्तन हिखाई वात करती है। 30. गीपियों को कारण में स्रेस कील - से परिवर्तन हिखाई वात करती है। 30. गीपियों को कारण में स्रेस कील - से परिवर्तन हिखाई वात करती है। 30. गीपियों को कारण में स्रेस कील - से परिवर्तन हिखाई वात करती है।	= *	गापिया ने निस्निनि खित उदाहरणों के सार्थाम	
2. गीपियों ने उहव को कामल पत्र के सामान काया। जी जल में रहकार भी जल का स्पर्ध निर्ध करवा? 3. उन्होंने उद्भव को वेल की आआर अर्थात विकला है. प. भीपियों ने उद्भव को जी कुरण की प्रेम - नदी में पांच कर न इकाले का उलाहाना दिया है? प. गीपियों ने अपने वाक् चाहुर्य के आधार पर राजी उस की परास्त कर दिया, उनके वाक् चाहुर्य की विशेषताईं जिल्ला कर दिया, उनके वाक् चाहुर्य की विशेषताईं जी पियों के वाक् चाहुर्य की निम्नाल खित विशेषताईं विशेषताईं के अपने वाले में अरहार त्यावाह पर आधारित हैं। उनकी नात जीक - त्यावहारी पर आधारित हैं। प. गीपियों की वालों में उत्ति हर्य की सरजता और हरण के प्रति अन्तरम झलकता है। उनकी निम्नाल के अताह्य क्षावाह है स्थाल हैं। उनकी निम्नाल के जाएण में सेसे कीन - से परिपत्ति दिखाई विशेषताई की निम्नाल करती है। वात करती है ।		उद्भव को उलाहने दिस हैं:-	2.
2. गीपियों ने उहव को कामल पत्र के सामान काया। जी जल में रहकार भी जल का स्पर्ध निर्ध करवा? 3. उन्होंने उद्भव को वेल की आआर अर्थात विकला है. प. भीपियों ने उद्भव को जी कुरण की प्रेम - नदी में पांच कर न इकाले का उलाहाना दिया है? प. गीपियों ने अपने वाक् चाहुर्य के आधार पर राजी उस की परास्त कर दिया, उनके वाक् चाहुर्य की विशेषताईं जिल्ला कर दिया, उनके वाक् चाहुर्य की विशेषताईं जी पियों के वाक् चाहुर्य की निम्नाल खित विशेषताईं विशेषताईं के अपने वाले में अरहार त्यावाह पर आधारित हैं। उनकी नात जीक - त्यावहारी पर आधारित हैं। प. गीपियों की वालों में उत्ति हर्य की सरजता और हरण के प्रति अन्तरम झलकता है। उनकी निम्नाल के अताह्य क्षावाह है स्थाल हैं। उनकी निम्नाल के जाएण में सेसे कीन - से परिपत्ति दिखाई विशेषताई की निम्नाल करती है। वात करती है ।	1.	उड़व दम वह काशी ही जी क्रया के देस है	
2. विशिष्मी ने उहाव की कामल पत्र के सामान बतामा जी जान में रहकार भी जान का स्पष्टी नहीं करता? 3. उन्होंने उद्धव की वेल की बाबार अधात धिकना कर का करकर उनाहान दिया? 4. वीषियों ने उद्धव की बीक्यण की प्रेम - क्यी में पांच कर न द्वाने का उलाहाना दिया है? 4. वीषियों ने अपने वाक् चातुर्य के आखार पर दानी उद्धव की परास्त कर दिया, उनके वाक् चातुर्य की विशेषतार कि विशेषतार कि विशेषतार कि विशेषतार की विशेषतार कि विशेषतार के वाक् चातुर्य की विशेषतार कि विशेषतार के वाक चातुर्य की विशेषतार कि विशेषतार के वाक चातुर्य की विशेषतार कि विशेषतार के वाक चातुर्य की विशेषतार कि विशेषतार के विशेषतार के वाक चातुर्य की विशेषतार कि विशेषतार के वि		म नहीं वंदी हो।	3.
3. उन्होंने उद्धव को वेल की बाबार अधित विकास कर कर उनाहान दिया। 4. बी पियों ने उद्धव को बी कुळण की प्रेम - नरी में पांच कर कि न दुबाने का उलाहान दिया है। 4. बी पियों ने अपने वाक् चाहुय के आधार पर तानी उद्धव की परास्त कर दिया, उनके वाक् चाहुय की बिरोपतार की बिरोपतार की विशेषतार की वाक चाहुय की वाल कर रही है। 3. उनकी बात जीव - स्यवहारी पर आधारित है। 4. बी पियों की बातों में उनहरण देकर प्रस्तुत कर रही है। 3. उनकी बात जीव - स्यवहारी पर आधारित है। 4. बी पियों की बातों में उनके हर्य की सरजता और कुळण के प्रति अस्तरम झलकता है। 5. बी पियों की कुळण में रीसे बीन - से परिपत्ति रिखाई विश्व जिनके बारण वे अपना सन वापस पा जीने की बात करती है। 4. वी पियों की कुळण में रीसे बीन - से परिपत्ति रिखाई विश्व जिनके बारण वे अपना सन वापस पा जीने की बात करती है। 4. वी पियों की कुळण में रीसे बीन - से परिपत्ति रिखाई विश्व जिनके बारण वे अपना सन वापस पा जीने की बात करती है। 4. वी पियों की कुळण में रीसे बीन - से परिपत्ति रिखाई विश्व जिनके बारण वे अपना सन वापस पा जीने की बात करती है। 4. वी पियों की कुळण में रीसे बीन - से परिपत्ति रिखाई विश्व जिनके वारण वे अपना सन वापस पा जीने की बात करती है।	2.	विविधियों है उस्त की करार एवं है	
उ. उन्हां उद्भव को वल को आशार अधान चिकला प. शिषियों ने उद्भव को जी कुया की प्रेम - क्सी में पांव उट , क्षि न इंबाने का उलाहाना दिया है। प. शीषियों ने अपने वाक्चाह्य के आचार पर तानी गृह को परास्त कर दिया , उनके वाक्चाह्य की विशेषताएं निरुद्ध ? उत्क न इंबाने का उलाहाना दिया है। विशेषताएं के वाक्चाह्य की निम्निलिका विशेषताएं निरुद्ध ? शीषियों के वाक्चाह्य की निम्निलिका विशेषताएं ने अस्ति वाने में शहरा त्यांच्य दिया है। उनकी वान नीव - त्यावहारी पर आधारित है। प. शीषियों की बातों में उनके हदय की सरवता और कृष्ण के प्रति अस्तिम झन कता है। उनकी तक स्वता हम हमन कता है। उनकी तक स्वता हम हमन कता है। विश्व जिनके वारण में रेसे कीन - से परिचर्तन प्रवाह की बात कहती है ? उत्की विश्व जिनके वारण वे अपना सन वापस पा जैने की बात कहती है ? गीषियों की क्षणा में रेसे कीन - से परिचर्तन प्रवाह वात कहती है ? गीषियों की क्षणा में रेसे कीन - से परिचर्तन प्रवाह वात कहती है ? गीषियों की क्षणा में रेसे कीन - से परिचर्तन प्रवाह वात कहती है ? गीषियों की क्षणा में रेसे कीन - से परिचर्तन प्रवाह की बात कहती है ?			
प्रा कि हिन्द उताहान दिमा । प्रा विभी ने इहुव की भी कृषण की प्रेम - क्सी में पांच इंट कि न इबाने का उलाहाना दिमा है। प्रा विभी ने अपने वाक् चातुम के आधार पर नानी उद्धव की परास्त कर दिमा, उनके वाक् चातुम की विशेषतारं निर्वित्र हैं। की परास्त कर दिमा, उनके वाक् चातुम की विशेषतारं निर्वित्र हैं। की प्रा के वानी में के वाक् चातुम की निम्निल कित विशेषतारं ने अवसी बानों की उत्तरहरा देकर प्रस्तुत कर हरी हैं। उनकी वान जीक - दमवहारी पर आधारित हैं। प्रा विभी की बानों में उनके हदम की सरजन और कुष्या के प्रति अन्तरम झन कता हैं। इन्हों तक झनाइम हमा बहुत ही सम्मित हैं। इन्हों विभ जनके कारण में रैसे कीन से परिपत्ति दिवाई विभ जनके कारण वे अपना मन वापस पा जैने की बात करती हैं। वात करती हैं हैं। उट्ट वीपियों की क्रांग के अपना मन वापस पा जैने की बात करती हैं। वात करती हैं हैं। वात करती हैं हैं। वात करती हैं हैं। वात करती हैं हैं।	3.	उन्होंने उद्भव की वेल की बाबार अधित है	
प् गीपियों ने उद्घव की बीक्यण की प्रेम - नहीं में पांच डूढ़, कि न ड्रबाने का उलाहाना रिया है। प गीपियों ने अपने वाक्याद्वर्य के आहार पर वानी उद्धा की परास्त कर दिया, उनके वाक्याद्वर्य की विशेषतारूं निरात्यः निरात्यः को परास्त कर दिया, उनके वाक्याद्वर्य की विशेषतारूं निरात्यः को परास्त कर दिया, उनके वाक्याद्वर्य की विशेषतारूं निरात्यः शैं विशेषयों के वाक्याद्वर्य की निम्नानिरात विशेषतारूं थ वी प्रेमी की बानों में अगररा देवर प्रस्तात कर रही है। उनकी बात जीक - त्यवहारी पर आधारित है। प गीपियों की बानों में उनके हर्य की सरजता और क्षाण के प्रति अन्तस्य झलकता है। इन्हों कि प्रति अन्तस्य झलकता है। इन्हों कि अन्तार्य क्षाण करने में स्थित की विशेषति दियाई वात करती है। वात करती है। गीपियों की क्षाण में स्थित की निम्मान वापस पा जीने की		पदा पहिलाट उत्ताहाल दिया।	6.
प्ता न दुवान का उलाहाना हिमा है। प. गीपिमी ने अपने वाक् चाहुम के आधार पर राजी उक्ष की परास्त कर दिमा, उनके वाक् चाहुम की विशेषतारूं जिलिया? की परास्त कर दिमा, उनके वाक् चाहुम की विशेषतारूं जिलिया? की प्रिमों के वाक् चाहुम की जिस्तान किरीपतार है। वी अपनी वानों की उत्ताहरण देकर प्रस्तुत कर रही है। उनकी वान जीक - त्यवहारी पर आधारित है। प. गीपिमी की बातों से उनके हिम्म की सरजन और कृषण के प्रति अनन्य झनकता है। उनके तक झना दम क्या बहुत ही सम्मिक है। उनके तक झना दम क्या बहुत ही सम्मिक है। वी विभी की कृषण में सेसे कीन से परिचर्तन दिवाई विस् जिनके नारण वे अपना मत वापस पा जैने की वात कहती है। वात कहती है।	4.	गापिको ने उद्भव को बीकरण की वैस - करी के	
प्राणिमी की अपने वाक् चात्रमें की आधार पर नानी अन्न की परास्त कर दिया, उनके वाक् चात्रमें की विशेषतारं निरंपर? उक् भी पिमी के वाक वात्रमें की निम्निल कि विशेषतारं निरंपर ? भी पिमी की बातों में आहरा त्यांच्य दिया है। उनकी बात जीक - त्यवहारी पर आधारित है। प. भी पिमी की बातों में उनके ह्यम की सरजता और श्रमण के प्रति अनम्य भलकता है। उन्ते तक अन्तार्य तथा बद्ध ही स्थलि है। उन्ते तक अन्तार्य तथा बद्ध ही स्थलि है। उन्ते तक अन्तार्य तथा बद्ध ही स्थलि है। उन्ते विश्व जिनके कारण वे अपना मन वापस पा जैने की बात कहती है ? गो पिमी की कारण के प्रति अनमा मन वापस पा जैने की बात कहती है ?		तक न दुवाली का उलाहाना विभा के	= →
विशिष्ट ? उहाँ मी पियों के जक्या तुर्य की विशेषता हैं विशेषता है विलेपता है विशेषता है विशेषता है विशेषता है विशेषता है विशेषता	F-177		
विशिष्ट ? उहाँ मी पियों के जक्या तुर्य की विशेषता हैं विशेषता है विलेपता है विशेषता है विशेषता है विशेषता है विशेषता है विशेषता	4.	गोपियों ने अपने वावानात्र्य के आधार पर करी	
उहा - भी पियों के वाक्या तुर्य की निस्ताल खित विशेषतार है		100 7 2 160 00 1 2 10 11 1 10 0 0 0	
2. वे अपनी वालों को उदाहरण देकर प्रस्ता कर रही हैं। 3. उनकी बात जीक - त्यवहारी पर आधारित हैं। 4. भीषियों की बातों से उनके हदय की सरजता और एकण के प्रति अन्तरम झलकता है। 5. जीषियों को कृषण में सेसे जीन - से परिपत्ति दिखाई दिए जिनके कारण वे अपना मन वापस पा जैने की बात कहती हैं। 30. भीषियों को कृषण के उ		लि स्विह ?	
2. वे अपनी वालों को उदाहरण देकर प्रस्ता कर रही हैं। 3. उनकी बात जीक - त्यवहारी पर आधारित हैं। 4. भीषियों की बातों से उनके हदय की सरजता और एकण के प्रति अन्तरम झलकता है। 5. जीषियों को कृषण में सेसे जीन - से परिपत्ति दिखाई दिए जिनके कारण वे अपना मन वापस पा जैने की बात कहती हैं। 30. भीषियों को कृषण के उ	36	गोपियों के काक्यात्र्य की निकाल किय विशेष्त	
2. वे अपनी वानों को उताहरण देकर प्रस्ता कर रही हैं। 3. उनकी बात जीक - त्यवहारी पर आधारित हैं। 4. भीषियों की बातों में उनके ह्वय की सरजता और कुछण के प्रति अन्तर्य झलकता है। 5. जीषियों को कुछण में सेसे जीन - से परिपत्ति दिखाई दिए जिनके कारण वे अपना मन वापस पा जैने की बात कहती हैं। 30. भीषियों की कुछण के रू	T D	2	
प्राणियों की बातों से उत्तक हिएम की सरजता और कृष्ण के प्रति अत्वस्य झलकता है। ह अती की कारण में सेसे वान से परिपतिन दिवाई दिस जिनके कारण वे अपना सन वापस पा जेने की वात कहती है। वात कहती है।		नी पित्री की बानी से नाहरा त्यानंत्र हिमा की	139.36
प्राणियों की बातों से उत्तक हिएम की सरजता और कृष्ण के प्रति अत्वस्य झलकता है। ह अती की कारण में सेसे वान से परिपतिन दिवाई दिस जिनके कारण वे अपना सन वापस पा जेने की वात कहती है। वात कहती है।) 2.	वे अपनी वातों को उपाहरण देकर प्रत्य कर प्रति	
प्रणा के प्रति अतम्य झलकता है। ह. उन्के तक अवाद्य तथा बद्ध ही स्वर्ण हैं। ह. गौषियों की कृषण में सेसे वान से परिपत्ति रिखाएं विस् जिनके बारण वे अपना मन वापस पा जैने की बात कहती हैं।	-	उनकी बात जीक - व्यवहारी पर आधारित है	
ह. उन्के तक स्वाइय तथा बद्ध ही सक्रिक हैं। इ. गीपियों की कृष्ण में रेसे कीन से परिपतिन दिखाई विस् जिनके बारण वे अपना सन वापस पा जैने की वात कहती हैं।	4.	2011701 401 40141	
ह. वन्या तवा अवता द्या त्या बह्त ही स्वयक्ति हैं। ह. गीषियों की कृषण में सेसे वान-से परिपतिन दिखाई विष्ट जिनके बारण वे अपना सन वापस पा जैने की		कुछा के प्रति अस्तस्य झलकता है।	
5. गोषिभी की कृषण में सेसे कीन से परिपतिन दिखाई पिट जिनके कारण वे अपना सन वापस पा जैने की बात कहती हैं?	6 .	उत्का तक अकार्य तथा बद्धत ही सम्राक्त है	
वात कहती हैं?		200	
वात कहती हैं?	5.	विस् के कुछण में रेसे वान से परिचर्तन विस्वारी	
उठ मोपियी की करणा के ०		वात कर है के बारण वे अपना सन वापस पा तेने की	
े परने वे सटल हदम और प्रेमी भे, अब कुटील	30	मी किया है	
ा. पहले वे सटल हदम और प्रेमी भे, अब कुटील	-	पिस - परिवर्तन परिवर्तन परिवर्तन परवारी	
हिया आर प्रेमी भी, अब कुटील	1	पहले वे रास्य कर ०० ००	
	1.	हद्य आर प्रेमी थे, अब कुटील	

	Date
	Page 63
	राजनीतिक बन गर हैं। पहते वे गोषिमों को प्रेम का पाठ पहाते भे, अप उन्हें भोग का संदेश सेंग्न रहे हैं। पहले वे पूसरी की जनमाम से बचाते भे, अप स्वम हो प्रोसी - सामी गोषिमों पर अन्माय कर रहे हैं।
	वर्त में भी विभी की वैस तम बाद परार्थ की उसक
2.	2 9 9 9 9
	9 9 9 9 9
3.	पहल व पूसरा का अन्माम स वयात न जन
	९ १९
	28 81
6.	उड्डव हाटा दिस् डास्ट भीश के संदेश है शी पिभी की विरहास्ति से बी का कास वेंसे किया ?
0.	विरहास्ति में ची का काम कैंसे किया?
30	जीपिमी जी मह विश्वास मा कि क्री कृष्ण शिद्र ही लींट आही परंह ब्रीकृष्ण ही उटटा उहुव के
	ही लींट आईवी परंद श्रीकृष्णा है उत्ता उहुव के
	भारतम से जीना का संदेश क्षेत्र दिया इस
	जिल्ला के लाग के लाग काम किया जार
	्राप्तिक कार्याच्या प्रतिकार प्रतिकार विश्वति हो।
	ी जी कर के जार है जा है
	साहस की अमिरिए अब समाप्त ही काई है इस
	साहस की अमिरि अब समान्त ही बाई है इस विरह दुरव की सहते जा साहस अब हमसे नहीं रहा है।
	251 25 135
	그렇게 하는 이 가는 하는 것이 없는 것이 되었다면 하는 것이 없는 것이 없는 것이 없는 것이 없는 것이 없는데
1180	